A NEW RAY OF HOPE

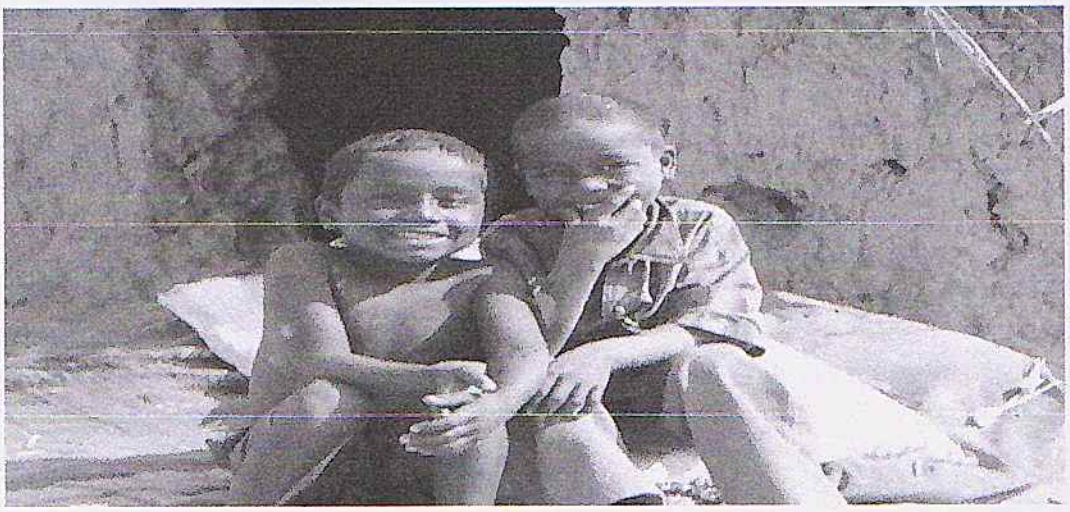

ANNUAL REPORT

2018-2019

DEPRESSED COMMUNITY DEVELOPMENT FOUNDATION

A STEP TOWARDS FULFILMENT OF THE VISION AND MISSION OF DEPRESSED COMMUNITY DEVELOPMENT FOUNDATION OVERALL DEVELOPMENT OF THE SOCIETY

Reg office: Mohalla Syedwara Post Satti Masjid
City and District Ghazipur 233001
U.P India.

Tel: 9305707160/8840646466/

Email- dcdfaamir1618@gmail.com

MESSAGE FROM MANAGING TRUSTEE

DEPRESSED COMMUNITY DEVELOPMENT FOUNDATION is getting new heights day by day, year over year and approaching various parts across the country for social cause. The team of DCDF is working day & night, restlessly for accomplishing the purpose for which the organisation has been established. This year also, thousands of marginalised, vulnerable, deprived and disadvantaged people especially children, women & youth have been touched by the organisation. We have successfully run the programmes on women empowerment, health, gender sensitization, youth empowerment, during the year. The Foundation also provided services to the society with regard to vocational training, education, skill development, yoga & research, legal aid & counseling etc. from time to time the whole year.

Needless to say that my colleagues, team members, staff of DCDF, partners and other organisations associated with DCDF made it possible. Their co-operation, with regard to achieve the aim of the foundation, is appreciable. I am thankful to all of them for helping needy people keeping their personal comfort aside and thereby enhancement of shine of DCDF.

I, on behalf of DCDF, also extend sincere thanks and gratitude to all donors and sponsor for their generous support. We really value your association with us for socio- economic development of the society in need.

ABOUT THE ORGANISATION

Rooted in the belief that grass root development is the foundation for a bright and shining India, **DEPRESSED COMMUNITY DEVELOPMENT FOUNDATION** was born out of the determination and hard work of a dedicated team, willing to fight all odds and reach out to the needy and vulnerable sections of the society.

'Depressed Community Development Foundation' is a non-profit organization. It aims to build a society where the vulnerable, living on the fringes of the establishment, can become an integral part of the system and secure their future by getting equal opportunities. This organisation is committed to the welfare of youth, adolescents, children, women specially related to scheduled caste/tribe communities. It is functioning since May'2009 and registered in 2011 with registration No.24Dated 26/04/2011. The organisation is working for social development through counseling, skill development cum training services, yoga awareness campaigns, promotion of sports and cultural activities, formation of community groups (SHGs/JLGs), self-employment projects and various other community related activities in collaboration with different Govt./Non-Govt. agencies like Nabard, Nehru Yuva Kendra, Unicef, Easy Naukari, Vodafone etc

PHILOSOPHY

Depressed Community Development Foundation believes in the contemporary context of community and social development which involves the development of people's capabilities as the core objective. It has been reiterated through various theories that the freedom to achieve well-being is of primary importance and the best way to understand that freedom is through making capabilities and real opportunities available to people to do and be anything that they attach value to. Therefore, DCDF has extended their reach into various requirements under multiple fields of a target group.

Periodic Progress Report

1- **Basic information**

Name of CSO : Depressed Community Development Foundation

Reporting Period : 1st April 2018 to 31st March, 2019

2- Brief Background of the project:-

हस्तक्षेपित क्षेत्र, प्रदेश का सबसे उपेक्षित एवं अत्यन्त पिछड़े जनपदों में से एक है। इस क्षेत्र से रोजगार की तलाश में काफी अधिक लोग पलायन करतें है। दलित व वंचित समुदाय की महिलाएं घर के काम काज से समय निकालकर मनरेगा के अन्तर्गत मजदूरी करके घर परिवार की दैनिक आव यकताओं की पूर्ति करने में मदद करती हैं। क्षेत्र में महिलाओं के साथ परम्परागत तरीके से घर के फैसले करने या सामाजिक व राजनैतिक मुद्दों पर उनके साथ भेद–भाव किया जाता है। यद्यपि परिवार के अधिकांश काम वही करतीं है और परिवार को आगे बढ़ाने में उनका काफी योगदान होता है पर महिलाओं के विचारों को बहुत कम सुना व स्वीकार किया जाता है और उनके अधिकारों की अनदेखी की जाती है।

इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सूचकों की स्थिति दयनीय है जो विकास का एक महत्वपूर्ण सूचक है। साक्षरता दर कम होने के कारण समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता की स्थिति भी खराब है। समुदाय के स्वास्थ्य की देख–भाल के लिए जो क्षेत्र का बंटवारा किया गया है वह भी असमान है। इन सबके पीछे जो मुख्य कारण निकल कर आता है वह है स्वास्थ्य नियोजन में समुदाय की सहभागिता की कमी एवं एकतरफा नियोजन।

❖ भूमिका –

डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन, सैय्यदबाड़ा, सट्टी मस्जिद, गाजीपुर (उ0प्र0) में युवाओं, बुद्धिजीवियों तथा सामाजिक व्यक्तियों द्वारा गठित एक गैर राजनैतिक, गैर सरकारी व अलाभकारी स्वैच्छिक संगठन है जो इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 के अन्तर्गत पंजीकृत है।

संस्था का मुख्य उद्दे य मानव जीवन के स्तर में सुधार लाना एवं जागरूकता पैदा करना है। ग्रामीण गरीबों के विकास के लिये सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा गॉव स्तर तक उन योजनाओं को पहुचाना। स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं पर्यावरण के विषय में जागरूक एवं शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना। अभावग्रस्त लोगों में चेतना पैदा करके उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु उत्साहित करना। इसमें क्षेत्रिय पिछड़ेपन, गरीबी से संबंधित कृषि एवं स्वावलम्बी कृषि विकास, महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देकर उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान करने के लिए तथा बच्चों, महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा संबंधी समस्याओं का समाधान, कृषि विकास एवं वानिकी, युवा कल्याण नेतृत्व प्रशिक्षण तथा पुरूष व बच्चों के विकास के लिये अभियान का संचालन एवं उत्साहित करने के लिए गठन किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

डिप्रेस्ड कम्यूनीटी डेवलपमेंट फाउण्डेशन संस्था ने वातावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए वन विभाग से सहायता लेकर 600 ;सहजन, जामुन, युकलिप्टुस और कदमद्ध का पौधा जिला श्रावस्ती के राजा विरेनकान्त पब्लिक इण्टर कालेज व बन्दरहा नगर पंचायत के निकट प्राइमरी विधालय मे वृक्षारोपण का कार्यक्रम कराया गया यह कार्यकम विघालयो और कालेजो मे छात्र, छात्राओं और अध्यापको के माध्यम से कराया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यो द्वारा सभी छात्र, छात्राओं को वृक्षारोपण की जानकारी एवं उससे होने वाले लाभो से अवगत कराया गया।

निशुल्क दवा वितरण कार्यक्रम–

डिप्रेस्ड कम्यूनीटी डेवलपमेंट फाउण्डेशन संस्था द्वारा निशुल्क दवा वितरण कार्यकम का आयोजन भिन्गा श्रावस्ती मे जिला अस्पताल तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो मे किया गया इस कार्यकम मे शिशुओ, बच्चो, एवं गर्भवती महिलाओं को निशुल्क दवा दिया गया।

इसमे 6 माह से 11 माह के शिशुओ को नीली विटामिन कैप्सूल तथा 1 वर्ष से 5 वर्ष के बच्चो को लाल विटामिन कैप्सूल पिलाया गया साथ ही साथ एल्बेंडाजोल किमिनाशक दवाएं भी दी गई जिससे उनके अंदर जो भी परजीवी कृमि संकमण है उससे उन्हें उपचार मिल सकें।

गर्भवती महिलाओं को आयरन की गोली दी गई जिससे उनका स्वास्थ्य बना रहे इस दवा के माध्यम से गर्भवती माता और उसके होने वाले बच्चे को भविष्य मे होने वाली बिमारीयो से बचाने का प्रयास किया गया जिससे उनका स्वास्थ्य बना रहे।

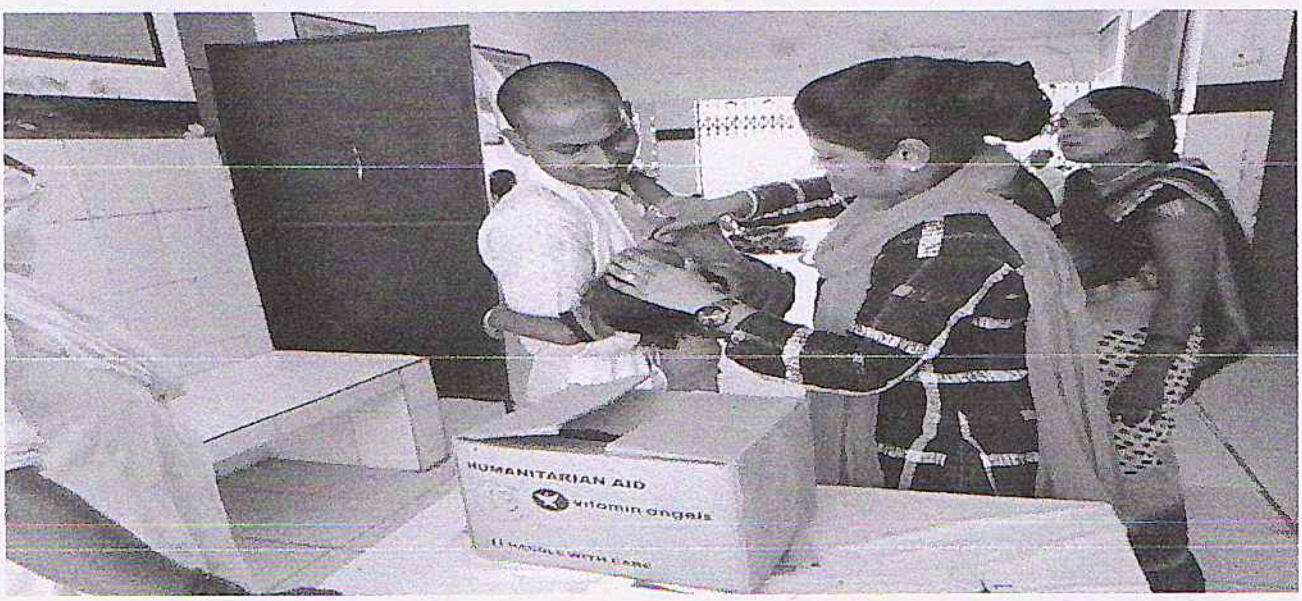

ईजी नौकरी-

फाउण्डेशन द्वारा बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इस स्टार्टप प्रोग्राम में बेरोजगारों का पंजीकरण कराया जा रहा है और योग्यता अनुसार उन्हे रोजगार से जोड़ा जा रहा है। इस स्टार्टप प्रोग्राम में 18 वर्ष

से 40 वर्ष के युवाओं को निःशुल्क पंजीकरण कराया जा रहा है अधिकतम नौकरी में युवाओं के रहने व खाने की व्यवस्था निःशुल्क है, और कार्य एवं योग्यता अनुसार उनका मानदेय है। संस्था कुल 502 निःशुल्क पंजीकरण कराया और 87 युवाओं को नौकरी से जोडा है और अधिक से अधिक युवाओं को जोडने का कार्य कर रही है। संस्था के स्टाफ अधिक से अधिक ग्रामो मे जा कर युवाओ को जोडने का कार्य कर रहे है।

नाबार्ड जे0एल0जी0 –

फाउण्डेशन नाबार्ड के जे0एल0जी0 योजना पर कार्य कर रही है जिसमें 4 से 5 लोगो का समुह बनाना आपस में बचत लेन–देन और बचत कराने का कार्य कर रही है। समूह से होने वाले लाभो को ग्रामो की महिलाओ और किसानो को ट्रेनिंग के माध्यम से समझाया गया और छोटे किसानो और महिलाओ को इस योजना से जोडा गया। उपस्थित महिलाओ और किसानो को इस योजना से जोडा गया और उन्हे इस यसेजना से जुडी सभी बिंदूओ को विस्तार से समझाया गया। इस मौके पर 38 महिलाओ और 27 पुरुषो ने भाग लिया।

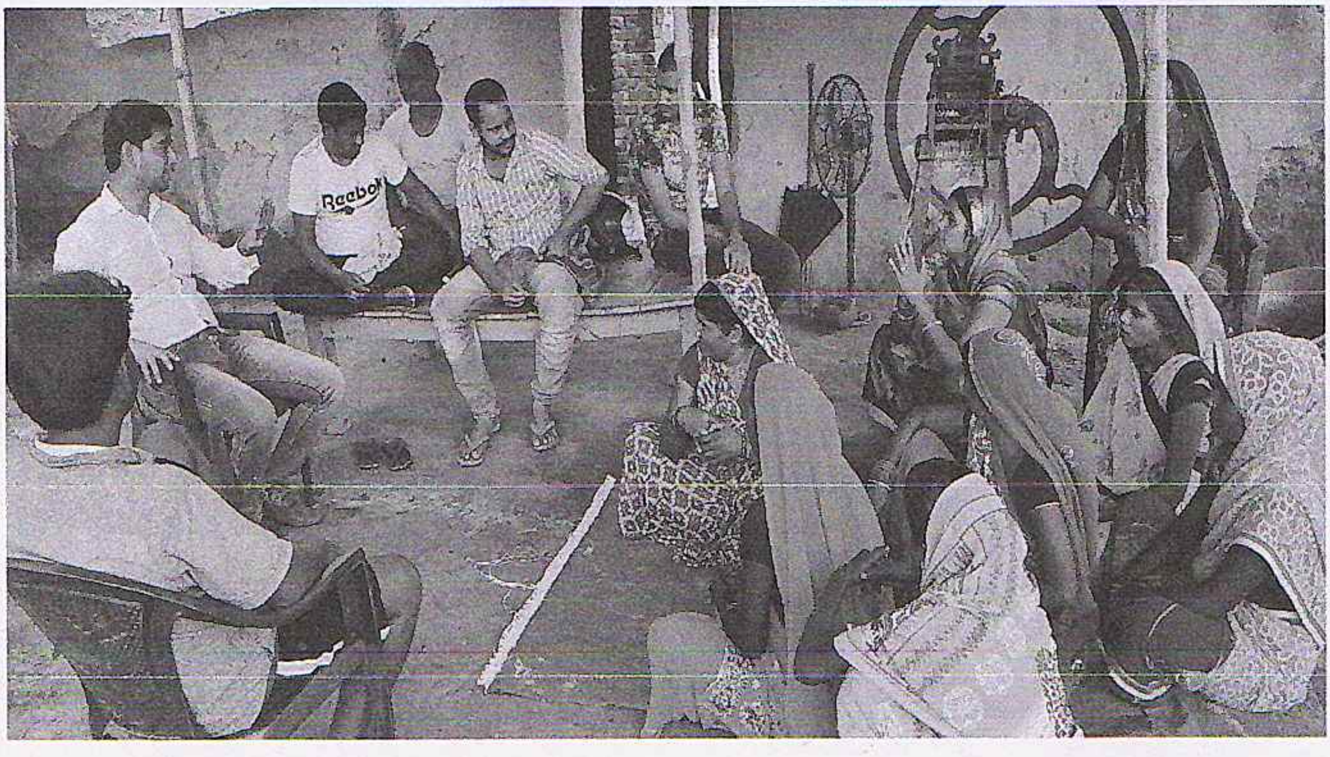

श्रम विभाग –

डिप्रेस्ड कम्यूनीटी डेवलपमेंट फाउण्डेशन द्वारा लेवर पंजीकरण जागरूकता कार्यक्रम कराया गया

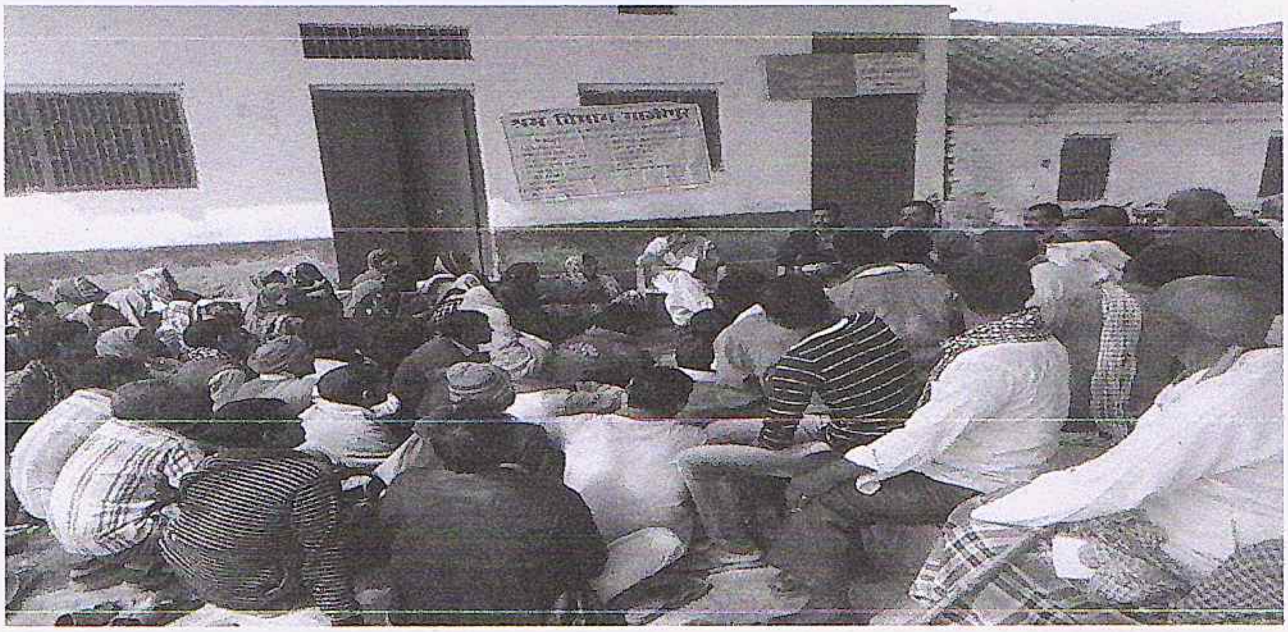

जो लोग भवन निर्माण में कार्य करते हैं वैसे लोगो का पंजीकरण कराने का कार्य कर रही है और उससे वंचित लोगो को जोड़ रही है। संस्था जागरुकता कार्यक्रम के माध्यम से वंचित

लोगो को इस योजना की पूरी जानकारी से अवगत कराया और इस योजना से होने वाले लाभो को बताया। इस अवसर पर कुल 53 पुरुष और 46 महिलाए उपस्थित रही। मौजूदा सभी ग्रामवासीयो ने बढ चढ के हिस्सा लिया।

नया सवेरा बालश्रम –

फाउण्डेशन नया सवेरा के अन्तर्गत गाजीपुर जिले के दो ब्लाक गाजीपुर सदर के 5 गाँव व मुहम्मदाबाद ब्लाक के 12 गाँव में (बालश्रम) नया सवेरा योजना पर कार्य कर रही है।

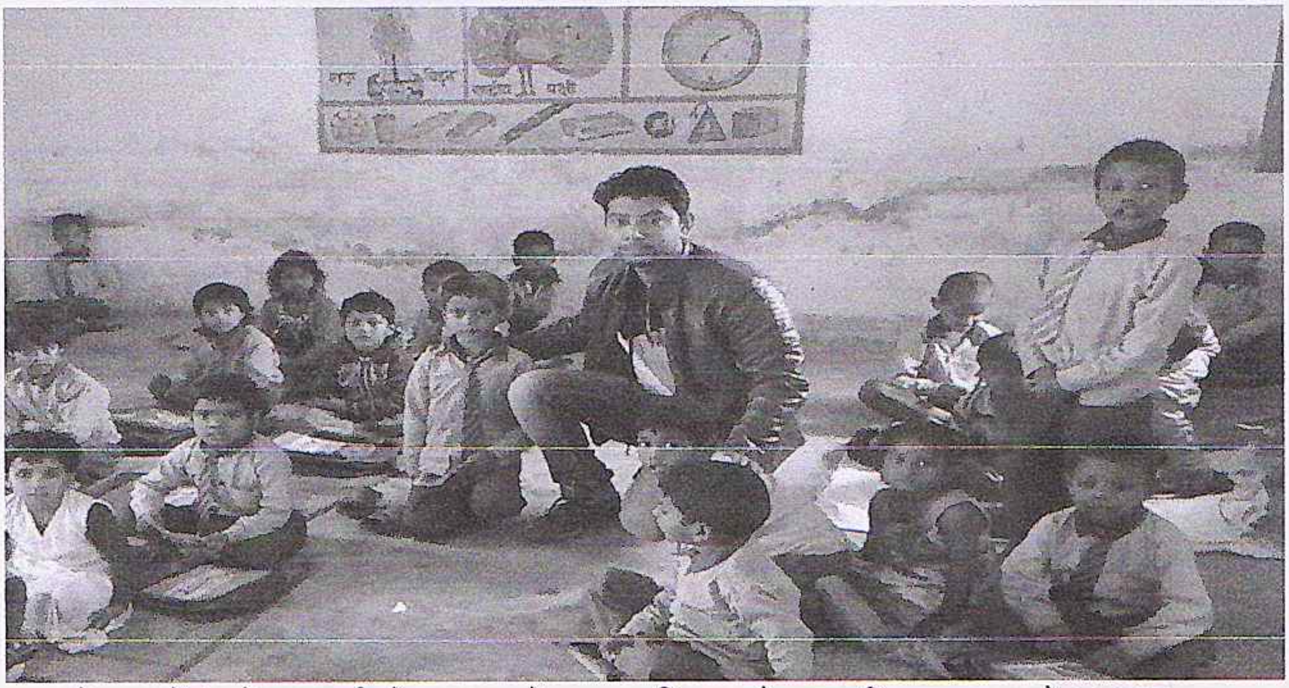

इस योजना में 6 से 17 वर्श के आयु वाले बाल बालिका जो मजदूरी दुकान, भट्टे व अन्य कार्य कर रहे हैं और स्कूल पढ़ने नही जाते हैं संस्था ऐसे बालक–बालिकाओं को स्कूल भेजने का कार्य कर रही है। फाउण्डेशन द्वारा सदर ब्लाक के दो गाँव व मुहम्मदाबाद ब्लाक के 3 गाँव को बालश्रम मुक्त कर दिया है।

नगरीय विकास अभिकरण द्वारा भाहरी गरीबों के आवास हेतु पंजीकरण–

डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन फाउण्डेशन गाजीपुर सदर ब्लाक में कैम्प लगाकर आवास निर्माण व नये आवास के लिए डुडा द्वारा चलाये जाने वाली योजना को लोगो को जागरूक कराने का कार्य की है और जो लोग पंजीकरण नही

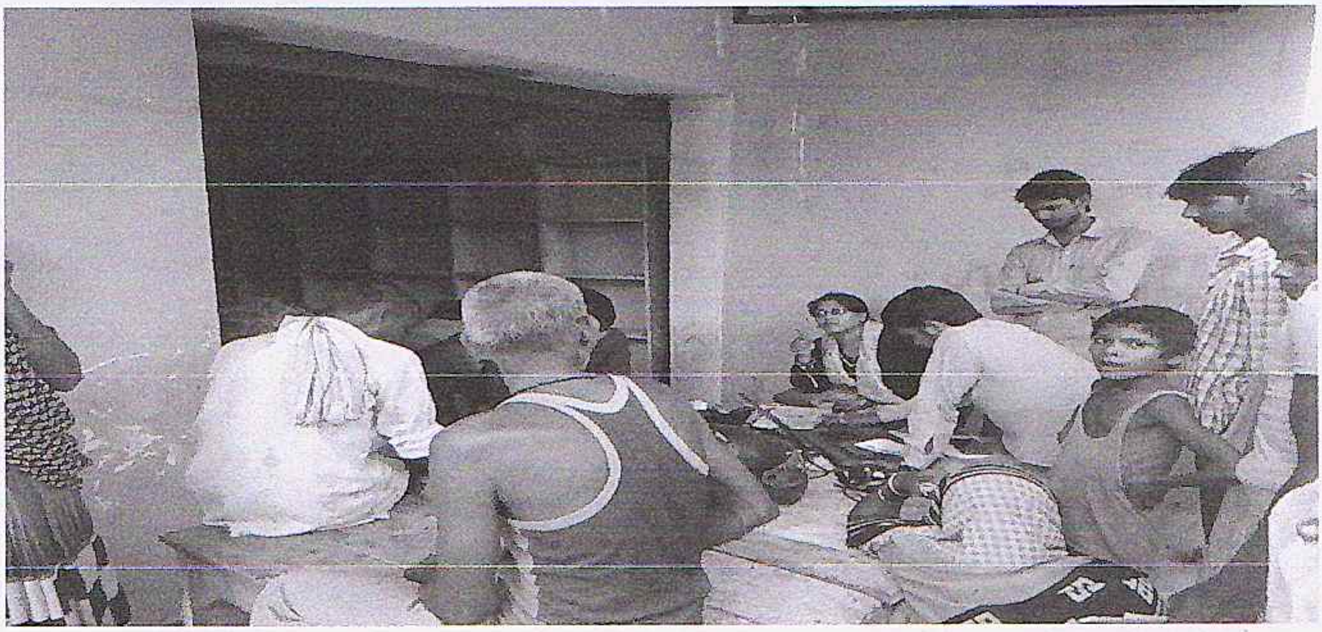

करा सकते वैसे लोगो को ऑनलाईन पंजीकरण संस्था द्वारा निःशुल्क उनके मुहल्ले में कैम्प लगाकर किया गया है। संस्था जागरुकता कार्यक्रम के माध्यम से वंचित लोगो को इस योजना की पूरी जानकारी से अवगत कराया और इस योजना से होने वाले लाभो को बताया। इस अवसर पर कुल 53 पुरुष और 66 महिलाए उपस्थित रही। मौजूदा सभी ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया। संस्था ने कुल 476 लाभारथीयो का ऑनलाईन पंजीकरण करवाया।

राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान कार्यक्रम -

आज के युग में पर्यावरण का कितना महत्व हो गया है। यह एक विचारणीय विशय है। जब–जब पर्यावरण प्रभावित हुआ है उसका प्रभाव मानव ही नहीं, पक्षी एवं अन्य जीव–जन्तुओं को प्रभावित किया है। इसके अनेकों उदाहरण है। इस विशय पर ग्राम पंचायत बिन्दवलिया मे राश्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान के अन्तर्गत पब्लिक मीटिंग का आयोजन प्रधान प्रतिनिधि की अध्यक्षता में किया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री रामजी श्रीवास्तव ने जैव विविधता संरक्षण के संबंध में कहा कि पशु–पक्षियों का आशियाना खत्म होता जा रहा है। हर जीवों का जीवित रहना जीवन चक्र के लिये बहुत जरूरी है। जैसे– पीपल के नीचे सन्त फकीर रहा करते थे। हर तने पर देवता निवास करते है। इसकी संख्या दिनोंदिन घटती जा रही है। गिद्ध, अबलखा, मैना, गौरेया, कौआ आदि जीव विलुप्त होते जा रहे है। इनको भी हमें संरक्षित किया जाना आव यक है। जैविक खाद के उपयोगिता पर विशेष बल दिया गया, जिससे भूमि की उर्वरा भाक्ति बढ़ती है।

पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है। मानव भारीर पर वन्य जीव, पशु–पक्षी आदि के ऊपर किस तरह से प्रभाव पड़ता है, विस्तृत जानकारी दी गयी तथा प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने

की सलाह दी गयी एवं पर्यावरण के प्रदूशित कुप्रभाव के संदर्भित जैव विविधता संरक्षण से सभी विशयों पर विस्तार से चर्चा की गयी।

ईसी के साथ संस्था के सदस्यो ने पर्यावरण को अच्छा बनाने के लिए वृक्षारोपण किया

जल संरक्षण एवं स्वच्छता कार्यक्रम –

फाउण्डेशन द्वारा ग्रामीणों के बीच पेयजल पर आधारित कार्यक्रम का संचालन विकास खण्ड–सदर में आयोजित कर किया गया जिसमें संस्था विशेषज्ञों, सम्मानित पत्रकारों व जनप्रतिनिधियों आदि ने प्रतिभाग कर इसके गुणवक्ता एवं कार्य प्रणाली पर विशेष रूप से चर्चा किया। साथ ही संस्था द्वारा विशेष रूप से लोगों को वर्शा के जल को एकत्रित कर उसके प्रबन्धन के बारे में बताया गया जिससे भूगर्भ जल स्तर को और नीचे गिरने से रोका जा सकें।

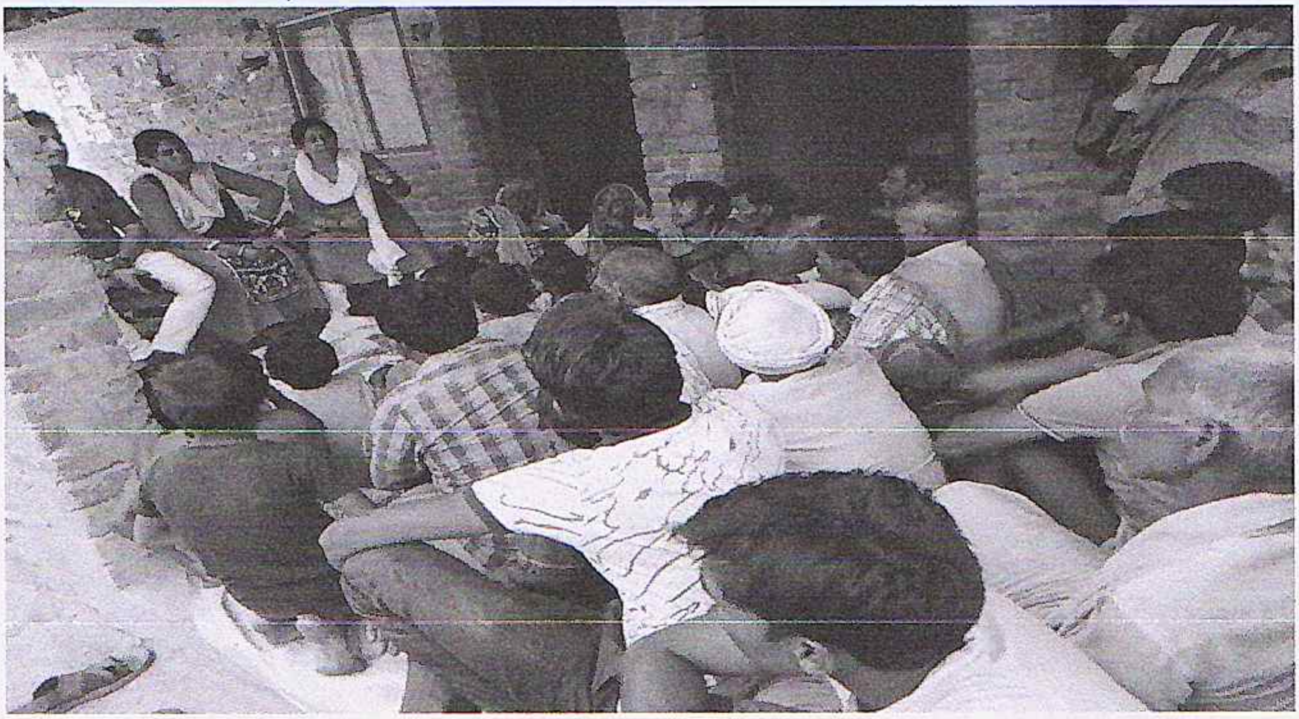

फाउण्डेशन द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वस्छ पानी पीने के लिये विभिन्न प्रकार के तरीकों को बताया गया तथा जल पम्प तथा छाजन युक्त कुओं का पानी पीने के संबंध में जानकारियॉ दी गयी साथ ही साथ गन्दे पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिये भी जनता को जागरूक किया गया एवं जल प्रदूशण को रोकने अथवा कम करने के तरीकों से भी अवगत कराया गया।

आपदा प्रबन्धन कार्यक्रम –

फाउण्डेशन द्वारा विकास खण्ड– सदर के सकरा, हुसेनपुर, बयेपुर देवकली, सलाहाबाद, जैतपुरा आदि गॉवों का सर्वेक्षण कराकर प्रत्येक ग्राम में नवदलों का गठन किया गया जिसमें भविश्य में भूकम्प, सूखा राहत, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिये ग्राम स्तर पर सुरक्षा समिति एवं आपदा प्रबन्धन समिति का नवगठन किया गया।

विकलांग कल्याण कार्यक्रम -

फाउण्डेशन द्वारा अंध/मूक/बधिर विकलांगों के लिये शिक्षा व उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से गरीब महिलाओं व बच्चों को लाभाविन्त करती आ रही है। संस्था अपने कार्यकर्ता सहित पल्स पोलियों अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रही है साथ ही परिवार स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति भी लोगों को उत्साहित व जागरूक करने का कार्य कर रही है।

हस्तकला कल्याण एवं विकास कार्यक्रम -

भाहरी एवं ग्रामीण बेरोजगार युवक–युवतियों को हस्तकला कार्यक्रम के अन्तर्गत हथकरघा व विभिन्न प्रकार के खिलौनों एवं आर्ट्स क्राफ्ट्स के डिजाईनिंग का उत्पादन एवं विपणन के तकनीकी पहलुओं के संबंध में 90 दिन का निशुल्कः प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में कुल 57 महिलाओ ने प्रतिभाग लिया।

बाल उत्पीडन

डिप्रेस्ड कम्यूनीटी डेवलपमेंट फाउण्डेशन संस्था के सदस्यो द्वारा खुशबू कुमारी की काउन्सलिंग कि गयी। काउन्सलिंग (सदस्य) सदाकत फातमा और हिना अख्तर के द्वारा किया गया।

खुशबू कुमारी के द्वारा दी गई जानकारी

बच्ची का नाम खुशबू कुमारी पिता का नाम विनोद (बढही) पता समस्तीपुर बिहार खुशबू कुमारी के द्वारा बताया गया कि उसके पिता विनोद बढही तथा उनके साथ मे एक व्यक्ति और जिसका नाम नकछेद था। जिसने 9 महिने पहले बिहार से हिताथनगर बरदेहरा मोड पे मूने वर्मा के हाथ 50000 मे बेच दिया था। बच्ची के द्वारा बताया गया कि मूने वर्मा के घर लडकी से सारा घर का काम करवाया जाता था और लडकी को भर पेट खाना भी नही दिया जाता था। और लडकी को मारा पीटा भी जाता था। जिसके कारण खुशबू कुमारी वहा से भाग आयी जो बरदेहरा मोड पर संस्था के सदस्यो को गांव वालो की जानकारी की सहायता से मिली लडकी से संस्था के सदस्यो ने पूरी जानकारी ली और फिर चाइल्ड लाइन फोन करने के बाद बच्ची को चाइल्ड लाइन वालो को सौंप दिया गया। अब बच्ची चाइल्ड लाइन मे हैं।

आशा ज्योती केंद्र

डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन जिला गाजीपुर मे आशा ज्योती केंद्र से जुड़ के यौन उत्पीड़न, बलात्कार, एसिड अटैक व घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं के हितो के लिए कार्य कर रही है। आशा ज्योती केंद्र की अधिकारी ने डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी से निवेदन करते हुए लोगो को जागरुक करने को कहा और इससे संबंधित केस को उनको सौंपने को कहा। संस्था के स्टाफ ग्रामो की महिलाओ को इससे जागरुक कर उन्हें 181 हेल्पलाईन नंबर से अवगत कराया जा रहा है और साथ ही साथ उनको रेसेक्यू वैन के बारे मे भी बताया गया।

सीवंश कंपोस्ट

डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन जिला श्रवस्ती के ब्लाक हहिरपुर रानी व गाजीपुर के सदर ब्लााक के ग्रामो मे सीवंश कंपोस्ट के लाभ और बनाने की विधि के बारे मे बताया कि आज के युग मे यह सबसे सस्ता और जलदी बनने वाला कंपोस्ट है जो कि फसल को तेजी से बढ़ने और अधीक पैदवार के लिए बहुत उपयोगी है। इसके बनाने की विधि बहुत सरल है जो कि किसान पुरुष व महिला आसानी से बना सकती हैं।

स्वंय सहायता समूह

डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन श्रवस्ती जिले मे किशोरियों का स्वंय सहायता समूह बनाकर उनको बचत करना, आपस मे लेन देन करने का कार्य कर रही हैं जिससे किशोरियों को बहुत लाभ मिला है जिनके पास स्कूल मे फीस जमा करने को पैसा नही रहता व आपस मे लेन देन करके अपनी फीस जमा कर देती है और इसी प्रकार जरुरत पर वो एक दूसरे की सहायता करती हैं। फाउण्डेशन साथ ही साथ उन्हे सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग भी दे रही है जिससे आवश्यकता आने पर वह खुद की रक्षा कर सके।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

डिप्रेस्ड कम्युनिटी डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन जिला श्रवस्ती के ब्लाक हहिरपुर रानी मे जिला अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सहायता से जन जन तक आयुष्मान भारत का लाभ पहुचाया जा रहा हैं। फाउण्डेशन ने ब्लाक हहिरपुर रानी के 15 ग्राम सभा मे जा कर पात्र परिवारो के हर सदस्यो का आयुष्मान कार्ड बनवाया है और उसका लाभ किस प्रकार से लेना है ये भी बताया है। यह आयुष्मान कार्ड से ग्राम सभा वर्गावर्गी, टण्डवा बन्कटवा, मछरीहवा, चहलवा, दमरा, सोनवरसा, पटना, खरगौरा, पतिझिया, तिवारीपुरवा आदि ग्राम सभा के लोगो को लाभान्वित किया गया है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना